

प्रेषक,

टी. के. पंत,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियंता स्तर-1,  
लोक निर्माण विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 23 जनवरी, 2004

विषय: धर्मपुर चौक से बाईपास (सहरानपुर रोड़) तक मार्ग की नहरों को भूमिगत करते हुए सड़क के चौड़ीकरण कार्य की स्वीकृति (द्वितीय चरण)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय आपके पत्र संख्या 1554/24 (175) याता-पर्व/2003 दिनांक 22-9-2003 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत मार्ग के प्रथम चरण की स्वीकृति शासनादेश संख्या 465/लो.नि.-1/2003/15(प्रा.आ.)/2003 दिनांक 28-3-2003 द्वारा रु० 100.41 लाख की प्रदान की गई थी। उपरोक्त के क्रम में प्रश्नगत कार्य के द्वितीय चरण के उपलब्ध कराये गये रु० 144.45 लाख के आगणन की परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी रु० 133.25 लाख (रुपये एक करोड़ तैंतीस लाख पच्चीस हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल रु० 1.00 लाख (रुपये एक लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की भी श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देश तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

10- कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजन्सी/अधिशाली अभियंता का होगा।

11- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31-3-2004 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाय।

12- आगामी किश्त तब ही अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत की जा रही इस धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर किये जाने के उपरान्त ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

13- इस कार्य में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2003-2004 में अनुदान संख्या 22 के लेखा शीर्षक -5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय -04 जिला तथा अन्य सड़कें -आयोजनागत -800 -अन्य व्यय -03 राज्य सेक्टर -02 नया निर्माण कार्य -24 वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त अनुभाग-3 के अ0शा0 संख्या 2530/वित्त अनुभाग-3/2003 दिनांक 22 जनवरी, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टी. के. पंत)  
उप सचिव।

संख्या: 73 (1)लो0नि0-1/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल, इलाहाबाद/देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. श्री एल.एम. पंत, अपर सचिव वित्त (बजट अनुभाग), उत्तरांचल शासन।
4. मुख्य अभियंता स्तर-2, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी को मा0 मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ हेतु।
8. अधीक्षण अभियंता, 24वां वृत्त, लो.नि.वि., देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
10. लोक निर्माण अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(टी. के. पंत)  
उप सचिव।